

15 दिवसीय ट्रॉजिशनल करिक्युलम कार्यक्रम सम्पन्न

आयुर्वेद को जीना भी है आवश्यक : तैद्य धीमान

गोहाना, 25 नवम्बर (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान में बी.ए.एम.एस. प्रथम वर्ष की नवगांठुक छात्राओं के लिए संचालित 15 दिवसीय ट्रॉजिशनल करिक्युलम कार्यक्रम सोमवार सम्पन्न हो गया।

समापन सत्र में श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के बी.सी.प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की बी.सी.प्रो. सुदेश ने की। विशेष अतिथि के रूप में आरोग्य लक्ष्मी हैत्य के प्रा. लि. के संस्थापक प्रो. (वैद्य) कृष्ण खाण्डल पहुंचे।

मुख्य अतिथि प्रो. करतार सिंह धीमान ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में जियो आयुर्वेद का मत्र भागा औं को दिया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को पढ़ना भार पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसे अत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरी है।

उन्होंने आयुर्वेद में एकलपा ला ए जाने की आवश्यकता पर बता दिया। उन्होंने संख्या के जान को आयुर्वेद के लिए सम्मानित कर सम्मानित किया गया।

कहा कि संख्यत भाषा के अलावा आयुर्वेद सीखने का कोई अन्य रास्ता नहीं है। छात्राएं बताना अमृत काल का लाभ उठाकर देश का खोया हुआ गौरव वापस लौटाने में अपना योगदान दें।

आयुर्वेद पूरी तुनिया में एक सशर्षत विकास किल्लप के रूप में उभरा है: प्रो. खाण्डल कार्यक्रम के निश्चिट अतिथि प्रो.



एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है: प्रो. सुदेश

महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि सर्वप्रथम प्रथम में संस्थान की एवं अगवले ने स्वानं संबोधित किया। छात्र निकिता शर्मा एवं विद्या नेहसा 15 दिवसीय कार्यक्रम की जीतिथियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। जवानगांठुक छानों की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आयुर्वेद का तकनीक के सभी समावेश करना जरूरी है।

प्रो. सुदेश ने छात्राओं को आयुर्वेद को समाज की मुख्यधारातक पहुंचाने अनियन्त्रित की जीवन-जीलान का हिस्सा बनाने में योगदान देने की जात कही। उन्होंने आयुर्वेद जगत में एक रसियां राष्ट्रीय द्वारा आत्मनिर्मिति की दिशा में कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया।

कुलपति ने छात्राओं को दिया जियो आयुर्वेद का मंत्र

आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की जरूरतः प्रो. करतार

गोहाना | कुरुक्षेत्र के श्रीकृष्ण आयुष विवि के कुलपति प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने कहा कि आयुर्वेद केवल पढ़ने की बात नहीं है, बल्कि इसे आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरी है। आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता है। वे सोमवार को बीपीएस महिला विवि के आयुर्वेद संस्थान में बीएमएस प्रथम वर्ष की नवागंतुक छात्राओं के लिए संचालित 15 दिवसीय ट्रांजिशनल करिकुलम कार्यक्रम के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने छात्राओं को जियो आयुर्वेद का मंत्र दिया।

प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने संस्कृत के ज्ञान को आयुर्वेद के लिए अहम बताया। उन्होंने संस्कृत भाषा के अलावा आयुर्वेद सीखने का कोई अन्य रास्ता नहीं है। छात्राएं वर्तमान अमृत काल का लाभ उठाकर देश का खोया हुआ गौरव वापस लौटाने में अपना योगदान दें। इसके साथ ही छात्राएं जिज्ञासु बने और समय का सदुपयोग करें। बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा



ट्रांजिशनल करिकुलम के समापन सत्र में संबोधित करते हुए अतिथि।

कि सर्वप्रथम शिक्षकों एवं छात्राओं को आयुर्वेद में विश्वास जताना होगा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है। उन्होंने सभी को आयुर्वेद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर भावी पीढ़ियों के लिए जीवंत उदाहरण बनने का आह्वान किया। आरोग्य लक्ष्मी हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक प्रो. कृष्ण खाण्डल ने कहा कि आयुर्वेद पूरी दुनिया में एक सशक्त चिकित्सा विकल्प के रूप में उभरा है। इस मौके पर संस्थान की प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. वीणा अग्रवाल, आयोजन सचिव डॉ. महेश शर्मा, कन्वीनर डॉ. गोविंद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

आयुर्वेद को आत्मसात करके

जीने की जगत : प्रो. करतार

15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिक्लम कार्यक्रम का हुआ समाप्त

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के माई सिंह भेमोरियल (एमएसएम) आयुर्वेद संस्थान में संचालित 15 दिवसीय संक्रमणकालीन पाठ्यचर्चा कार्यक्रम संपन्न हुआ।

समाप्त सत्र में बतौर मुख्य अतिथि कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने शिरकत की। अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। विशेष अतिथि प्रो. कृष्ण खांडल रही। मुख्य अतिथि प्रो.

करतार सिंह धीमान ने बताया कि आयुर्वेद केवल पढ़ने की बात नहीं है, बल्कि इसे वर्तमान अमृत काल का लाभ उठाकर आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरी है। उन्होंने आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता



आयुर्वेद संस्थान में कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि करतार सिंह। ज्ञान : विवि पर बल दिया। उन्होंने कहा कि छात्राएं समय का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित वर्तमान अमृत काल का लाभ उठाकर किया। महिला विश्वविद्यालय की देश का खोया हुआ गौरव वापस लौटाने में कुलपति प्रो. सुदेश ने बताया कि एक अपना योगदान दें। उन्होंने छात्राओं को जिज्ञासु बनने और कोई पद्धति नहीं है।

आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता : प्रो. धीमान



कुलपति प्रो. करतार सिंह धीमान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, साथ में कुलपति प्रो. सुदेश, प्रो. श्रीकृष्ण खांडल • सौ. विश्वविद्यालय

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के एमएसएम आयुर्वेद संस्थान में बीएएमएस प्रथम वर्ष की नवागंतुक छात्राओं के लिए आयोजित 15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम का सोमवार को समापन हो गया। समापन सत्र में श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. करतार सिंह धीमान मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने की।

प्रो. करतार सिंह धीमान ने कहा कि आयुर्वेद को आत्मसात करने के लिए इसे जीना भी जरूरी है। उन्होंने आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया और

आयुर्वेद के दर्शन व सिद्धांत को रेखांकित किया। उन्होंने संस्कृत के ज्ञान को आयुर्वेद के लिए अहम बताते हुए कहा कि संस्कृत भाषा के अलावा आयुर्वेद सीखने का कोई अन्य रास्ता नहीं है। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि सर्वप्रथम शिक्षकों एवं छात्राओं को आयुर्वेद में विश्वास जताना होगा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है। आयुर्वेद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर भावी पीढ़ियों के लिए जीवंत उदाहरण बनें। भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आयुर्वेद का तकनीक के साथ समावेश करना जरूरी है।

आयुर्वेद को आत्मसात करने के लिए उसे जीना भी ज़रूरी: प्रौ. करतार सिंह

एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है: कुलपति प्रौ. सुदेश

खानपुर कला, चेतना संवाददाता। भगत, पूल सिंह महिला निवि के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान में बीएमएस प्रथम वर्ष की नवागतुक छात्राओं के लिए मन्चालित 15 दिवसीय ट्रॉफीशनल करिक्युलम कार्यक्रम समाप्त को संपन्न हो गया।

समाप्त सत्र में श्री कृष्ण आयुर्वेदिवि, कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रौ. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने बतार मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला निवि की कुलपति प्रौ. मुद्देश ने आयुर्वेद केवल पढ़ने की बात नहीं है, बल्कि इसे आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरी है। उन्होंने आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता पर बतल दिया। प्रौ. धीमान ने अपने संबोधन में आयुर्वेद के दर्शन और सिद्धांत को रेखांकित किया। उन्होंने छात्राओं को जिज्ञासु बनने के लिए धनवंतरी वंदना के साथ की गई।

पुख्य अतिथि प्रौ. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने अपने संबोधन में जियो आयुर्वेद का मंत्र



भी छात्राओं को प्रेरित किया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए आयोजक मंडल एवं प्रतिभागी छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के विशेष अतिथि प्रौ. (वैद्य) कृष्ण खाण्डल ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद पूरी दुनिया में एक सशक्त विकित्सा विकल्प के रूप में उभरा है। उन्होंने छात्राओं को वैद्यिक मांग में विश्वास जताना होगा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है। उन्होंने आयुर्वेद को आयुर्वेद के संस्थापक प्रौ. (वैद्य) श्री कृष्ण खाण्डल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं धनवंतरी वंदना के साथ की गई।

पुख्य अतिथि प्रौ. (वैद्य) महिला निवि की कुलपति प्रौ. मुद्देश ने अपने संबोधन में कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में एटरप्रेन्योरिशिप द्वारा आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य करने के लिए

कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आयुर्वेद जगत में अग्रवाल ने स्वागत संबोधन की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रतिभागी छात्राओं ने कार्यक्रम के दौरान के अपने अनुभव साझा किए।

15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम सम्पन्न



समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यतिथि।

गोहाना, 25 नवम्बर (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान में बी.ए.एम.एस. प्रथम वर्ष की नवागंतुक छात्राओं के लिए संचालित 15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम आज संपन्न हो गया। समापन सत्र में श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय, कृरुक्षेत्र के कुलपति प्रो. (वैद्य)

करतार सिंह धीमान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में आरोग्य लक्ष्मी हेल्थ केयर प्रा. लि. के संस्थापक प्रो. (वैद्य) श्री कृष्ण खाण्डल उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में जियो आयुर्वेद का मंत्र छात्राओं को दिया।

कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा कि सर्वप्रथम शिक्षकों एवं छात्राओं को आयुर्वेद में विश्वास जाताना होगा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. (वैद्य) कृष्ण खाण्डल ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद पूरी दुनिया में एक सशक्त चिकित्सा विकल्प के रूप में उभरा है। प्रारंभ में संस्थान की प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. वीणा अग्रवाल ने स्वागत संबोधन किया। छात्राओं निकिता शर्मा एवं दिव्या ने इस 15 दिवसीय कार्यक्रम की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। आयोजन सचिव डॉ. महेश शर्मा ने कार्यक्रम संचालन किया। धन्यवाद संबोधन कन्वीनर डॉ. गोविंद गुप्ता ने किया। सम्मानित अतिथियों को स्मृति चिन्ह, पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्थान के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्राएं उपस्थित रही।

विभिन्न स्कूलों के प्राचार्यों ने दीक्षा स्माल का किया तैयार अजीत समाचार

26-Nov-2024

Page: 13

उत्तर भारत का सम्पूर्ण अखबार

<http://www.ajitsamachar.com/20241126/27/13/1.cms>

➢ **ਸ਼੍ਰੀ. ਕਾਰਤਾਲ ਸਿੰਹ ਨੇ ਕਾਰਖਨ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਕੇ ਕਿਥਾ ਸਬੰਧਿਤ**

ହାର୍ଯ୍ୟମ ନ୍ୟୂଜ ►► | ଗାଢାନୀ

समापन सत्र में श्री कृष्णा आयुष
विवि, कुरुक्षेत्र के कुलपति ग्रा.
(नैद्य) करतार सिंह धीमान मुख्य
आतिथि के रूप में उपस्थित हों।
कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला
विवि की कुलपति ग्रो. मुद्देश ने की।
विशेष आतिथि आराध्य लक्ष्मी हेल्थ
केवर प्रा. लि. के संस्थापक ग्रो.
(नैद्य) कृष्ण खानडल उपस्थित हों।

कायक्रम का शुरूआत सम्मानत अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं धनवंतरी बंदना के साथ की गई।
 मुख्य अतिथि प्रो. (वैद्य) करतार सिंह धीमान ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में जियो आयुर्वेद का मत्र छात्रओं को दिया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल पढ़ने की बात नहीं है, बल्कि इसे अत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरी है। उन्होंने आयुर्वेद में एकलृप्ता लाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. धीमान ने आयुर्वेद के दर्शन और सिद्धांत को खालित किया। उन्होंने संस्कृत के ज्ञान को आयुर्वेद के लिए अहम बताते हुए कहा कि संस्कृत



आयुर्वेद का तकनीक के साथ सनातेश करना

जटारी : फुलपति प्र० सुदेश

भाषा के अलावा आयुर्वेद सीखने का कोई अन्य रस्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि छात्राएं वर्तमान अमृत काल का लाभ उठाकर देश का खेया हुआ गौरव बापस लौटाने में अपना योगदान दें। कुलपति प्रो. मुद्देश ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा कि सर्वथर्थम् शिक्षकों एवं छात्राओं को आयुर्वेद में विश्वास जताना होगा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है। उन्होंने उपस्थित जन को आयुर्वेद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर भावी पीढ़ीयों के लिए जीवंत उदाहरण बनने का आह्वान किया।

कृतपत पा मुद्देश न कठो कंगत फूल लह का इस तपास्थित क मूल
संस्कारो को हमेशा स्मरण रखो ऊँचांके कहा कि भरत की विश्व गुरु ज्ञाने
की दिक्षा में आगे बढ़वे के लिए आशुर्वद का तकनीक के साथ ज्ञानविश्व करना
जरूरी है उन्होंने अशुर्वद ज्ञान में एंटरप्रेनरिप छारा आजनियरता की
दिशा में कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया। निश्चिट आत्मिय प्रौ (वैद्य) कृष्ण
बापड़त ने आजे खेलज में कहा कि अशुर्वद पूरी दुक्षिया में एक सशक्त
विक्रिया विकल्प के रूप में उभरा है। उन्होंने छात्राओं को वैश्विक मांग के
अनुरूप एक आशुर्वद विक्रियाक के रूप में अपना कौशल विक्रियत करने
तथा वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं के निवान पर कार्य करने के लिए प्रेरित
किया। संस्थान की प्रधार्य इंचार्ज डॉ. वीषा अवगत ने स्वागत स्बोधन किया।
छात्र निकिता शर्मा एवं दिव्या ने कार्यक्रम की गतिविधियों को रिपोर्ट प्रस्तुत
की। प्रतिमानियों को चरक शपथ दिलावाई गई। आयोजन जारी रखा गया।
शर्मा ने कार्यक्रम संचालन किया। छलपत्रद संबोधन कर्त्त्वीर डॉ. गोविंद गुप्ता
ने किया। समानित अतिथियों को स्मृति विन्ध, पौष्ण एवं अंगत्वस्त्र में कर
समाप्ति किया गया। कार्यक्रम का समाप्ति राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। इस
अवसर पर संस्थान के प्रधायापक, कर्मचारी एवं छात्राएं उपस्थित रही।

आयुर्वेद को आत्मरात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी ज़रूरी : प्रौ. (बैद्य) करतार सिंह धीमान

ब्लूरो/गुडगांव मेल

गोहाना, 25 नवंबर। भगत फूल सिंह महिला विवि के एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान में बीएएमएस प्रथम वर्ष की नवागतुक छात्राओं के लिए संचालित 15 दिवसीय ट्रांसिशनल करिकुलम कार्यक्रम सोमवार को संपन्न हो गया।

समाप्त सत्र में श्री कृष्ण आयुष निवि, कुरुक्षेत्र के कुलपति प्रौ. (बैद्य) करतार सिंह धीमान ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला निवि की कुलपति प्रौ. सुदेश ने आरोग्य लक्ष्मी हेतु केवर प्रा. लि. के संस्थापक प्रौ. (बैद्य) श्री कृष्ण खाण्डल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं धनवंतरी वंदना के साथ की गई। मुख्य अतिथि प्रौ. (बैद्य) करतार सिंह धीमान ने अपने संबोधन में जियो आयुर्वेद का मंत्र



बेहतर कोई पद्धति नहीं है। उन्होंने उपस्थित जन को आयुर्वेद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर भावी पीढ़ियों के लिए जीवंत उदाहरण बनने का आह्वान किया।

उन्होंने भावी चिकित्सकों को संवेदनशीलता के साथ सेवा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आयुर्वेद जगत में एंटरप्रेनोरिशप द्वारा आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य करने के लिए भी छात्राओं को प्रेरित किया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए आयोजक मंडल एवं प्रतिभागी छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रौ. (बैद्य) श्री कृष्ण खाण्डल ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद पूरी दुनिया में एक सशक्त चिकित्सा विकल्प के रूप में उभरा है। उन्होंने छात्राओं को वैशिक

चिकित्सक के रूप में अपना कौशल विकसित करने तथा वैशिक स्वास्थ्य समस्याओं के निदान पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

प्रारंभ में संस्थान की प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. बीणा अग्रवाल ने स्वागत संबोधन किया। छात्राओं ने निकता शर्मा एवं दिव्या ने कार्यक्रम की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रतिभागी छात्राओं ने कार्यक्रम के दौरान के अपने अनुभव साझा किए। नवागतुक छात्राओं के लिए एप्न सेरेमनी आयोजित की गई। और चरक शपथ दिलवाई गई। आयोजन सचिव डॉ. महेश शर्मा ने कार्यक्रम संचालन किया। धन्यवाद संबोधन कन्वीनर डॉ. गोविंद गुप्ता ने किया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह, पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्पादित किया गया। कार्यक्रम का समाप्त राष्ट्रीय गान के साथ मां के अनुलय एक आयुर्वेद हुआ।

Home / Hindi News / आयुर्वेद की जागरूकता करने के लिए आयुर्वेद को जीव भी जाहीं औं (जै) करता सिंह ठाकरे

Play / Stop Audio

आयुर्वेद को आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरीः प्रौ. (वैद्य) करतार सिंह धीमान



f t in g

Did you know...
Many homeless Gurmatas live in
miserable conditions?

POPULAR POSTS

Weekly Posts



Date for resuming India-UK free trade talks to be finalised...



State-of-the-Art Distrometer installed at Gaggal Airport...



Real Estate Industry Pin Hopes on Maharashtra Government...



Offset Printers Association to usher in a new era of leadership...

FOLLOW US

Facebook

X (Twitter)

LinkedIn

YouTube

Email

RECOMMENDED POSTS



Resisting the new colonial masters: How India's sovereignty...



Vrakant Massey talks about responsibility of media as the...



Your love for sarees may raise risk of skin cancer, warns...



How kidney problems raise risk of strokes



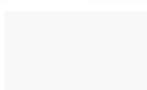
Limiting sugar consumption early can prevent chronic disease...



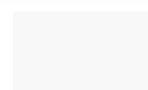
Wayanad has realised BJP will pave path to development....

Tags: Ayurveda Valid

RELATED POSTS



अलगी पर चर्चा पर सोचोच क्यों ?



एनसीसी केंटदस ने मनाया एनसीसी सराहा



CITY AIR NEWS

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

COMMENTS

Name

Email

Comment

Post Comment

पढ़ना पढ़ाइस नहीं, आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी है आवश्यक : वैद्य धीमान

गोहना मुद्रिका न्यूज, 25 नवम्बर:
बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के

एम.एस.एम. आयुर्वेद संस्थान में बी.ए.एम.एस. प्रथम वर्ष की नवागंतक छात्राओं के लिए संचालित 15 दिवसीय ट्रांजिशनल कारिकूलम कार्यक्रम सम्पन्न हो गया। समापन सत्र में श्री कृष्ण आयुर्वेदिविद्यालय, कुरुक्षेत्र के बी.सी.प्रा. (वैद्य) करतार सिंह धीमान पूर्व्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माहिला विश्वविद्यालय की बी.सी.प्रा. मुद्देश ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में आरोग्य लक्ष्मी हेतु केयर प्रा. लि. के संस्थापक प्रो. (वैद्य) श्री कृष्ण खण्डल पहुंचा। शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं धन्वन्तरि वदना के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि प्रा. (वैद्य) करतार मिंह धीमान ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में जियो आयुर्वेद का मन्त्र छात्राओं को दिया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को पढ़ना भर पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसे आत्मसात करने के लिए आयुर्वेद को जीना भी जरूरी है। उन्होंने आयुर्वेद में एकरूपता लाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रा. धीमान ने अपने संबोधन में आयुर्वेद के तर्शन और सिद्धांत को खोलकित किया। उन्होंने संस्कृत के ज्ञान को आयुर्वेद के लिए अहम बताते हुए कहा कि संस्कृत भाषा के अलावा आयुर्वेद सीखन का कोई अन्य रास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि छात्राएं वर्तमान अमृत काल का लाभ उठाकर देश का खेता हुआ गौव वापस लौटाने में अपना योगदान दो। उन्होंने छात्राओं को जिजामु बनने और समय का मुद्रपयोग करने के लिए प्रेरित किया। महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.



मुद्देश ने कहा कि सर्वप्रथम शिक्षकों एवं छात्राओं को आयुर्वेद में विश्वास जताना होगा कि एक स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई पद्धति नहीं है। उन्होंने उपस्थित जन को आयुर्वेद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने में योगदान देने की बात कही। उन्होंने आयुर्वेद जगत में एंटरप्रेनरिशिप द्वारा आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. (वैद्य) श्री कृष्ण खण्डल ने कहा कि आयुर्वेद पूरी दुनिया में एक संगठ चिकित्सा विकल्प के रूप में उभरा है। उन्होंने छात्राओं को वैश्विक मांग के अनुरूप एक आयुर्वेदिक चिकित्सक के रूप में अपना कौशल बनाने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आयुर्वेद का

तकनीक के साथ समावेश करना जरूरी है। प्रो. मुद्देश ने छात्राओं को आयुर्वेद को समाज की मुख्यधारा तक पहुंचाने और इसे आम जन-जीवन का हिस्सा बनाने में योगदान देने की बात कही। उन्होंने आयुर्वेद जगत में एंटरप्रेनरिशिप द्वारा आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. (वैद्य) श्री कृष्ण खण्डल ने कहा कि आयुर्वेद पूरी दुनिया में एक संगठ चिकित्सा विकल्प के रूप में उभरा है। उन्होंने छात्राओं को वैश्विक मांग के अनुरूप एक आयुर्वेदिक चिकित्सक के रूप में अपना कौशल

विकसित करने तथा वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं के निवान पर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रारंभ में संस्थान की प्रिंसिपल इंचार्ज डॉ. बीणा अग्रवाल ने स्वागत संबोधन किया। छात्र निकिता शर्मा एवं दिव्या ने इस 15 दिवसीय कार्यक्रम की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। नवागंतक छात्राओं के लिए एन सेमीनी आयोजित की गई समानित अतिथि गणां द्वारा प्रतिभागियों को चरक शास्त्र दिलवाई गई। समानित अतिथियों को स्मृति चिन्ह, पौधा एवं अंगवस्त्र भेट कर समानित किया गया। कार्यक्रम का समापन गाढ़ीय गान के साथ हुआ।